

MEDIA RELEASE

For Immediate Release

जनेपप्रा को तटीय शिपिंग में एक बड़ा बढ़ावा मिला, २२,००० मीट्रिक टन तटीय मालवाहक जहाज एम.वी.वीटीआरई का स्वागत किया गया।

मुंबई, १८ अगस्त, २०२३: जनेपप्राने महाराष्ट्र और गुजरात के उद्योगों के लिए उड़ीसा के पारादीप से टाटा स्टील के २२,००० मीट्रिक टन कोल्ड रोलड स्टील कॉइल ले जाने वाले तटीय इस्पात मालवाहक जहाज, एम.वी.वीटीआरई को प्राप्त करके एक और यश हासिल किया। जहाज १७.०८.२०२३ को १३. २४ बजे उथले जल बर्थ पर रुक गया है। जनेपप्रा के उपाध्यक्ष श्री. उन्मेश शरद वाघ ने उप संरक्षक और महाप्रबंधक (यातायात) के साथ सभी विभागाध्यक्षों ने जहाज का स्वागत किया। नए पीपीपी ऑपरेटर, मेसर्स न्हावा शेवा डिस्ट्रीब्यूशन टर्मिनल (एनएसडीटी) (जे.एम.बैक्सीग्रुप के स्वामित्व में) द्वारा हासिल की गई यह नई पहल तटीय शिपिंग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण यश है।

पोर्ट पर अच्छी तरह से विकसित बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के प्रयास के एक हिस्से के रूप में, जनेपप्राने पोर्ट टर्मिनलों में निवेश और संचालन के लिए अच्छी तरह से संरचित पीपीपी के माध्यम से निजी क्षेत्र की भागीदारी के लिए अनुकूल माहौल बनाया। तदनुसार, जनेपप्राने मई 2023 में शैलो वाटर बर्थ (एसडब्ल्यूबी) और कोस्टल बर्थ (सीबी) दोनों को विकसित और संचालित करने के लिए न्हावा शेवा डिस्ट्रीब्यूशन टर्मिनल के साथ 30 साल का रियायत समझौता किया है।

बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय के मार्गदर्शन में जनेपप्रा समुद्री परिवहन को बढ़ाने, सड़क की भीड़ को कम करने और कार्बन उत्सर्जन को कम करने के अपने प्रयासों के तहत तटीय शिपिंग को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रहा है।

भारत में ७,२०० किलोमीटर लंबी तटरेखा के साथ, तटीय शिपिंग को प्रोत्साहन की आवश्यकता है। भारत सरकार की एक प्रमुख पहल के रूप में, सागरमाला के तहत, यह बंदरगाहों के आधुनिकीकरण, तटीय और अंतर्देशीय जलमार्गों को विकसित करने और परिवहन लागत को कम करने के लिए तटीय शिपिंग और रसद को बढ़ावा देकर बंदरगाह आधारित विकास पर ध्यान केंद्रित करता है। पैमाने की मितव्ययता के कारण समुद्री परिवहन एक सस्ता विकल्प है, यह सड़क क्षेत्र का भार कम करता है।



Jawaharlal Nehru Port Authority, Admin Building, Sheva, Uran, Navi Mumbai – 400 707



www.inport.gov.in



www.twitter.com/@JNPort



www.facebook.com/JNPORT

यह नई पहल जमीन से समुद्र तक इस्पात उत्पादों के परिवहन के आधुनिक बदलाव का मार्ग प्रशस्त करेगी। भारत के पूर्वी तट से स्टील उत्पादों को पुणे और महाराष्ट्र के अन्य हिस्सों में अंतिम ग्राहकों तक पहुंचाया जाएगा। यह अनुमान लगाया गया है कि पूर्वी तट से स्टील की नियमित शिपमेंट होगी और गुजरात से सीमेंट एसडब्ल्यूबी में प्राप्त होने की उम्मीद है। सीबी. एक शिपमेंट शहर की सड़कों पर लगभग 2000 ट्रकों को कम करने के बराबर है, जिससे भीड़भाड़ और कार्बन उत्सर्जन में कमी आती है।

तटीय नौवहन के कई फायदे हैं:

- लागत बचत: पैमाने की अर्थव्यवस्था के कारण, भूमि-आधारित परिवहन की तुलना में तटीय शिपिंग लागत बचत प्रदान कर सकती है।
- भीड़भाड़ में कमी: स्टील कार्गो को तटीय शिपिंग में स्थानांतरित करने से राजमार्ग पर भीड़भाड़ काफी कम हो जाती है।
- कम उत्सर्जन: जल मोड परिवहन में परिवहन के अन्य तरीकों की तुलना में कम कार्बन उत्सर्जन होता है।

जनेप्रा के अध्यक्ष श्री. संजय सेठी ने कहा है कि यह भारत के पूर्वी बंदरगाहों से समुद्र के माध्यम से पश्चिमी बंदरगाहों तक घरेलू कार्गो की तटीय आवाजाही के लिए एक नई शुरुआत है, जो महाराष्ट्र और गुजरात राज्य में उद्योगों के विकास में मदद करेगी।

जनेप्रा के बारे में:

जवाहरलाल नेहरू पोर्ट अथॉरिटी (जनेप्रा) भारत के प्रमुख कंटेनर-हैंडलिंग बंदरगाहों में से एक है। 26 मई, 1989 को अपनी स्थापना के बाद से, जनेप्रा एक थोक कार्गो टर्मिनल से देश में प्रमुख कंटेनर बंदरगाह बन गया है। वर्तमान में, जनेप्रा पांच कंटेनर टर्मिनलों - एनएसएफटी, एनएसआईसीटी, एनएसआईजीटी, बीएमसीटी और एपीएमटी का संचालन करता है। बंदरगाह में सामान्य कार्गो के लिए एक उथला जल बर्थ और एक अन्य तरल कार्गो टर्मिनल भी है जिसे बीपीसीएल-आईओसीएल कंसोर्टियम और नवनिर्मित तटीय बर्थ द्वारा प्रबंधित किया जाता है। 277 हेक्टेयर भूमि पर स्थित, जेएनपीए भारत में निर्यात-उन्मुख उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ सावधानीपूर्वक डिजाइन किए गए बहु-उत्पाद एसईजेड का संचालन भी करता है।



Jawaharlal Nehru Port Authority, Admin Building, Sheva, Uran, Navi Mumbai – 400 707



www.inport.gov.in



www.twitter.com/@JNPort



www.facebook.com/JNPORT



मीडिया पूछताछ के लिए कृपया संपर्क करें:

अंबिका सिंह,

वरिष्ठ प्रबंधक (विपणन), जनेपप्रा

मोबाईल : +97697 69100

ईमेल: Ambikasingh@jnport.gov.in



Jawaharlal Nehru Port Authority, Admin Building, Sheva, Uran, Navi Mumbai – 400 707



www.jnport.gov.in



www.twitter.com/@JNPort



www.facebook.com/JNPORT



MEDIA RELEASE

For Immediate Release

JNPA gets a major boost in coastal shipping, welcomes 22,000 MT Coastal Cargo ship M.V. VTRE

Mumbai, August 18, 2023: JNPA achieved another milestone by receiving the coastal steel cargo ship, M.V VTRE, carrying 22,000 MT of Cold Rolled steel coils of TATA Steel from Paradip in Orissa destined for industries in Maharashtra and Gujarat. The vessel was berthed at the Shallow Water Berth at 13.24 HRS on 17.08.2023. Shri Unmesh Sharad Wagh, Deputy Chairman, JNPA along with all Head of Departments received the vessel. This new initiative achieved by the new PPP Operator, M/s Nhava Sheva Distribution Terminal (NSDT) (owned by J.M. Baxi group) is a significant milestone in promoting coastal shipping.

As a part of the endeavour to keep augmenting the well-developed infrastructure at Port, JNPA created a conducive environment for private sector participation through well-structured PPP to invest in and operate Port Terminals. Accordingly, JNPA has entered into a 30-year concession agreement with Nhava Sheva Distribution Terminal to develop and operate both Shallow Water Berth (SWB) and Coastal Berth (CB) in May 2023.

JNPA under the guidance of the Ministry of Ports, Shipping and Waterways has been actively promoting coastal shipping as part of its efforts to enhance maritime transportation, reduce road congestion, and lower carbon emissions.

With a 7,200 Km coastline in India, coastal shipping needs an impetus. As a flagship initiative of the Government of India, under Sagarmala, it focuses on Port-led Development by modernizing ports, developing coastal and inland waterways, and promoting coastal shipping and logistics to reduce transportation costs. Sea transport, due to economy of scale is an inexpensive option, it takes the load off the road sector.

This new initiative will pave the way for the modal shift of transportation of steel products from land to sea. The steel products from the east coast of India will be transported to the end customers in Pune and other parts of Maharashtra. It is forecasted that there will be regular shipments of Steel from the East Coast and cement from Gujarat is expected to be received at SWB and CB. One shipment is approximately equal to reducing around 2000 trucks on the city roads thereby reducing the congestion and the carbon emissions.



Jawaharlal Nehru Port Authority, Admin Building, Sheva, Uran, Navi Mumbai – 400 707



www.inport.gov.in



www.twitter.com/@JNPort



www.facebook.com/JNPORT



There are several advantages of coastal shipping:

- Cost Savings: Coastal shipping could offer cost savings compared to land-based transport, due to economics of scale.
- Reduced Congestion: Shifting steel cargo to coastal shipping significantly reduces highway congestion.
- Lower Emissions: Water mode transport has fewer carbon emissions compared to other modes of transport.

Sri. Sanjay Sethi, Chairman, JNPA has stated that this is a new beginning for the coastal movement of domestic cargo from eastern ports in India to western ports through sea, which will help the development of industries in the state of Maharashtra and Gujarat.

*_*_*

About JNPA:

The Jawaharlal Nehru Port Authority (JNPA) is one of the premier container-handling ports in India. Since its inception on May 26, 1989, JNPA has transformed from a bulk cargo terminal to become the premier container port in the country.

Currently, JNPA operates five container terminals -- NSFT, NSICT, NSIGT, BMCT and APMT. The Port also has a Shallow Water Berth for general cargo and another Liquid Cargo Terminal which is managed by the BPCL-IOCL consortium and the newly constructed coastal berth.

Nestled across 277 hectares of land, JNPA also operates a meticulously designed multi-product SEZ, with state-of-the-art infrastructure, to boost export-oriented industries in India.

For media enquiries, please contact:

JNPA:

Ambika Singh

Sr. Manager (Marketing), JNPA

Mob: +919769769100

e-mail: ambikasingh@jnport.gov.in



Jawaharlal Nehru Port Authority, Admin Building, Sheva, Uran, Navi Mumbai – 400 707



www.jnport.gov.in



www.twitter.com/@JNPort



www.facebook.com/JNPORT